

# जहाँगीर

- जहाँगीर का जन्म 30 अगस्त, 1569 को मरियम इजवानि (हरखा बाई जोधा बाई) के गर्भ से हुआ। इसके बचपन का नाम सलीम था। मानबाई तथा जबत गोसाई इसकी प्रारम्भ में दो पत्नियां थी। जगत गोसाई जहाँगीर की अत्यधिक शराब पीने से अप्रसन्न थी जिस कारण इसने आत्महत्या कर लिया।
- जहाँगीर ने आगरा के किले में न्याय के लिए सोने की जंजीर टंगवायी थी जिसमें 12 घण्टियां थी। जहाँगीर न्याय के लिए प्रसिद्ध था। इसने अपराधी के नाक कान काटने और घर कुर्की का आदेश दिया।
- जहाँगीर ने मद्यपान (नशा) पर रोक लगा दिया। इसने रविवार एवं बृहस्पतिवार को पशु हत्या पर रोक लगा दिया, क्योंकि रविवार को अकबर का जन्म दिन था जबकि बृहस्पतिवार को अपना राज्याभिषेक कराया था। किन्तु इस दिन यदि बकरीद का दिन हो तो पशु हत्या कर सकते हैं।
- 1606 ई. ये जहाँगीर का बेटा खुसरो ने (मानसिंह के साथ मिलकर) जहाँगीर के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह में 5वें गुरु अर्जुन देव ने खुसरो की सहायता किया। जिस कारण जहाँगीर ने अर्जुन देव को फांसी दे दी।
- 1615 ई. में जहाँगीर ने चित्तौड़ अभियान किया और यहां के शासक अमर सिंह को पराजित कर दिया और चित्तौड़ को मुगल साम्राज्य में मिला दिया। इस प्रकार चित्तौड़ अभियान जहाँगीर के साथ पुरा हुआ। [अकबर = उदय सिंह (1567), राणा प्रताप (1576)]
- 1615 में जहाँगीर और अमर सिंह के बीच संधि हुआ और अमर सिंह ने मुगलों की अधीनता स्वीकार कर लिया। किंतु आत्म-ग्लानि के कारण अपना सिंहासन अपने पुत्र करनसिंह को सौंपकर स्वयं वनवास धारण कर लिए।
- अकबर ने पूरी तरह से दक्षिण भारत को नहीं जीता था।
- 1616 ई. में जहाँगीर ने अपने बेटा शाहजहां (खुर्रम) को दक्षिण भारत के साथ अहमदनगर को पराजित करने के लिए भेजा।

अहमदनगर के शासक मलिक अम्बर को युद्ध में हरा दिया। इसी विजय के उपलक्ष में जहाँगीर ने खुर्रम को शाहजहां की उपाधि दिया (**Note** : मलीक अम्बर ने टोडरमल के भूराजस्व प्रणाली को लागू किया।)

- 1606 ई. में कंधार के शासकों ने मुगल क्षेत्र में रहने से इंकार कर दिया पर कंधार शाहजहां के समय मुगल क्षेत्र से पूर्णतः स्वतंत्र था। कंधार को भारत का प्रवेश द्वारा कहा जाता था।
- जहाँगीर के शासन काल को चित्रकला का स्वर्णकाल कहा जाता है।
- जहाँगीर ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि कोई भी चित्र चाहे वह किसी मृतक व्यक्ति या जीवित व्यक्ति द्वारा बनाया गया हो, मैं देखते ही तुरंत बता सकता हूँ कि यह किस चित्रकार की कृति है। यदि किसी चेहरे पर आंख किसी एक चित्रकार ने, भौंह किसी और ने बनाई हो, तो भी यह जान लेता हूँ कि आंख किसने और भौंह किसने बनायी है।
- जहाँगीर दूसरा ऐसा कुशल शासक था जिसने अपनी आत्मकथा लिखी। इसकी आत्मकथा का नाम तुजुक-ए-जहाँगीर था जो फारसी भाषा में लिखा गया। किन्तु जहाँगीर अपनी आत्म कथा पूरा होने से पहले ही मर गया। जहाँगीर की आत्मकथा को मोतवद खान ने पूरा किया।
- जहाँगीर ने अपनी प्रेयसी (प्रमिका) अनारकली के लिए 1615 ई. में लाहौर में एक सुंदर कब्र बनवायी और जिस पर यह प्रेमपूर्ण अभिलेख लिखवाया कि—“यदि मैं अपनी प्रेयसी का चेहरा एक बार पुनः देख पाता, तो कयामत के दिन

तक अल्लाह को धन्यवाद देता।”

- जहांगीर धार्मिक दृष्टि से सहिष्णु था। रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया और अपनी कलाई पर राखी बंधवायी। जहांगीर ने दीवाली के दिन जुआ खेलने की इजाजत दे रखी थी।
- जहांगीर ने सूरदास को आश्रय दिया था और उसी के संरक्षण में ‘सूरसागर’ की रचना हुई। (जबकि अकबर तुलसीदास को)
- जहांगीर ने एक नयी प्रथा चलायी जिसके अनुसार पुरुषों का कान-छिदवाकर मूल्यवान रत्न पहनना फैशन बन गया।
- अशोक के कौशाम्बी अभिलेख तथा समुद्रगुप्त के प्रयास प्रसस्ती अभिलेख पर जहांगीर ने भी लेख लिखवाया।
- 1608 ई० में इंग्लैंड के राजा जेम्स-I का राजदूत कैप्टन हॉकिन्स जहांगीर के दरबार में व्यापारिक छूट प्राप्त करने के लिए आया किन्तु जहांगीर ने उसे कोई भी छूट नहीं दिया। किन्तु उसकी योग्यता से प्रसन्न होकर उसे English खान की उपाधि दिया। हॉकिन्स के पास अकबर के नाम का पत्र था किन्तु अकबर की मृत्यु हो चुकी थी। हॉकिन्स फारसी में बात करता था।
- 1615 ई० में पुनः इंग्लैण्ड के राजा जेम्स-I का राजदूत टॉमस रो जहांगीर के दरबार में व्यापारिक छूट प्राप्त करने के लिए आया। पहली बार जहांगीर ने टॉमस रो को ही कुल व्यापारिक छूट दिया।
- जहांगीर के समय ही पुर्तगालियों ने भारत में सर्वप्रथम तम्बाकू की खेती प्रारंभ किया।
- 1627 ई० में शहजहां ने लाहौर में जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। उस विद्रोह को दबाने के लिए जहांगीर तथा नूरजहां दोनों लाहौर पहुंचे। किन्तु जहांगीर का सेनापति महावत खान शाहजहां के साथ मिल गया और नूर जहां तथा जहांगीर को कैदी बना लिया गया। किन्तु नूरजहां के प्रयास से वे दोनों जल्दी ही कैद से मुक्त हो गये। किन्तु इसी वर्ष लाहौर के शहदरा में जहांगीर की मृत्यु हो गयी। यहीं पर जहांगीर का मकबरा है। इस मकबरा को नूरजहां ने बनवाया।

## नूरजहां

- नूरजहां का असली नाम मेहरुन निशा था
- नूरजहां अलीकूली बेग (शेरआफगन) की विधवा थी। इसे जहांगीर के दरबार में अकबर की विधवा सलीमा बेगम की सेवा के लिए लाया गया।
- नवरोज त्यौहार के दिन जहांगीर ने पहली बार नूरजहां को देखा और उसकी सुन्दरता को देखकर उसे नूरमहल की उपाधि दिया और 1611 ई० में उससे विवाह कर लिया और उसे नूरजहां की उपाधि दिया। (1612 ई० में शाहजहां का विवाह मुमताज से हुआ।)
- नूरजहां के भाई का नाम आसफ खां था। नूरजहां के माता का नाम अस्मत बेगम था। इसी ने पहली बार गुलाब से इत्र निकालने की खोज किया। नूरजहां के पिता का नाम ग्यासबेग था, जिसे जहांगीर एतमातुद्दौला की उपाधि दिया।
- नूरजहां ने आगरा में एतमातुद्दौला का मकबरा बनवाया यह भारत में बेदाग सफेद संगमरमर से बनने वाला पहला मकबरा था। इसी में पहली बार इटली की पिष्ट्रा डोरा शैली का प्रयोग हुआ।